Sis.: dessen Wünsche befriedigt sind. Am richtigsten wird wohl कामप्रे nämlich पञ्जे gelesen.

কাদিদলে (কাদ + দলে) m. eine Abart des Mangobaums (দক্ষারাদ্র)
Rigar. im ÇKDa.

কাদিনত্ত (কাদ + নত্ত্ৰ) 1) adj. durch Liebe gefesselt. — 2) n. Wald Wilson.

कामभाज् (काम + भाज्) adj. der Genüsse theilhaftig: कामाना ला का-मभाजं कोगि Катвор. 1,24.

कामभाग (काम + भाग) m. der Genuss der Wünsche, Sinnengenuss; stets im pl.: कामभाग: प्रियेक्निम् N. 16,14. प्रमत्तः कामभागेषु R. 3,37, 2. कामभागाद्य विपुलान्परित्यड्य 43,29. 4,9,69. 34,28. 51,16. म्यापनीतानगृह्वानः कामभागात् Bale. P. 4,25,37. विरुक्तः कामभागाष् 8,1,7.

कामम् (acc. von 1. जाम) adv. gaņa स्वरादि zu P. 1,1,37. 1) nach Wunsch, nach Herzenslust, nach Belieben AK. 2,9,57. Taik. 3,3,295. H. 1505. an. 7,38. Mer. m. 5. avj. 59 (lies प्रकाम). वर्ष ते ग्रह्म रिमा व्हि कार्मम् ष्रू. ४, ४, ६, प्रीता ईव ज्ञातयः काममेत्यास्मे देवासा ५वे धून्-ता वर्स् 10,66,14. व्यंभिक्ट तर्पया कार्ममेषाम् 1,54,9. तस्य नाश्यं कार्मम-न्यस्य TS. 2,3,1,5. कामं तहाता शंसेत् Air. Br. 6,9. ÇAT. Br. 3,9,3,11. 11,5,4,17. 14,9,4,7. KHAND. Up. 6,7,1. M. 2,189.216. 3,111.144.222. 5,157. 7,191. 8,20. 10,90.117. 11,13. Jagn. 1,32. MBH. 1,2935. 3,10622. R. 3, 27, 20. 4, 26, 15. Buag. P. 1, 10, 5. gern, mit Freuden: काममीतामक मर्वे हुर्याधन तवेप्सितम् мвн. 3,298. н.р. 2,34. कामम् — सा विजक्ती प्रचम् Ragn. 12,75. मनस्वी म्रियते कामं कार्पएयं न त् गच्कृति d. i. der Verständige stirbt lieber, als dass er in's Elend geht Hit. I, 125; vgl. ਕ੍-[편 - 국. - 2) einräumende Partikel: wohl, gut, allerdings, ja gewiss н.ап. Мер. ауј. काममस्तु तथा तात तव कर्ण यथेच्क्सि мвн. 3,17195. कामं मस्त्री कविशिव सदा खेदभौरिएम्कः Вилятя. 3, 18. सखीभ्यां मिथःप्र-स्थाने पनः शालीनतपापि काममाविष्कृतो भावस्तत्रभवत्या Çik 26, 16. कामं कामा मन्ध्याणां यस्मिन्किल निवध्यते । जने तस्मित्रनुक्राशः स्नेक्श्य खल् जायते ॥ R. 5,24,4. कामं स्वभावो यो यस्य न स शक्यः प्रमाजित्म् 3,56,17. Duùrtas.75,13. कामं भजेडवान्धर्गम् Vop. 25,20. Drückt zugleich einen Gegensatz zum Vorangehenden aus, in welchem Falle es sich durch aber - ja, jedoch wiedergeben lässt: यद्मैवं तालपामि वां तच मे त्तत्तमर्किति । ग्रवश्यं कि बलं ज्ञेयं मया तव च तस्य च ॥ कामं राम तव त्रीणि प्रमाणं धैर्यमाकृतिः। मुचयित परं तेजः R. 4,9,104. fg. 16,50. नि-रनुक्रेाशयुक्तिति कामं वद्यति मां बन: 19,21. 5,53,1. 6,94,24. कामम् (mit folg. potent., imperat. oder partic. fut. pass.) — ㅋ oder ㅋ ㅋ immerhin mag — nicht oder nicht aber: काममा मरणातिष्ठेड्हे कन्यत्मत्यपि । न चैवेना प्रयच्केत गुणकोनाय कर्किचित् d. i. lieber mag das Mädchen im Hause bis zu ihrem Tode bleiben, als dass man sie jemals an einen Unwürdigen verheirathet M. ९, ४९े. विद्ययिव समं कामं मर्तव्यं ब्रह्मवादि-ना । म्रापद्मपि कि घोराया न बेनामिरिणे वपेत् ॥ २,११३, काममङ्गानि मे सीते इनातु मकरधनः । न लामकामा सुश्राणि समेष्ये мвы 3, 16192. का-मं लाइत मां सर्वा न करिष्यामि वा वचः R. 5,26,4. Der negative Satz kann auch vorangehen: न तु क्यामक्कारं न वदाम्यात्मना गुणान् । सेत्मधीव बद्भत् कामं वानर्प्गवाः ॥ 94,20. 22,6. Statt des negativen Satzes ein Fragesatz: कामं नयतु मां देव: किमधेंनात्मना कि मे Buta.P.7,2,54. Vgl. den Gebrauch von वर्म - न. कामम् - त् wohl, zwar - aber, aber doch,

dennoch: कामं वया परित्यक्ता गिमष्यामि स्वमाश्रमम्। इमं तु बालं संत्यकुं नार्कृति MBB. 1,3059. 1521. दि. कामं देवा ऽपि मां विप्र न कि जानित तहातः। वत्प्रीत्या तु प्रवह्मामि 3,12950. 13,244. R. 3,1,32. 14,14. 35,26. 49,10. 4,61,56. 5,26,40. 29,30. 47,33. Çintic. 4,4. Çik. 30. 87. 127. Ragh. 4,13. कामम् — किं तु dass.: कामं च मम न न्याय्यं प्रष्टुं बां कार्यमीदशम्। किं तु कार्यगरियस्वात्ततस्वाक्नमचूच्ट्रम्॥ MBB. 1;1916. कामम् — श्रवापि R. 2, 29, 7. कामम् — तथापि 4,40,7. Çik. 60,17. 63, 18. 107. कामम् — पुन्तूर 10,6. Millar. 7,1. Sib. D. 176,9.10. कामम् — च (v. 1. तु) Çik. 34. Bisweilen fehlt die adversative Partikel im Nachsatz: नृशंस इति मां कामं वद्यत्ति भुवि राह्माः। इतरे सर्वलोका मां वद्यत्ति गुणवानिति॥ R. 6,98,49.56. कामं वनेषु क्रिणास्तृणेन जीवल्ययत्नमुलभेन। विद्धति धानषु न दैन्यं ते खलु पश्चा वयं सुधियः॥ Çixगाः, 1,15. पतिकृति। च या नारी कामं भवति पुत्रिणो। धनधान्योचपुक्तापि विधविद्यते वुधैः॥ R. 4,22,17. Ragh.2,43. Dieses ist das कामम् — श्रका-मानुमती, श्रमूपानुगमे oder श्रमूपायाम् Ak. 3,5,13. H. 1540. H. an. Mb.

काममञ्जर्भे (काम + म°) f. N. pr. eines Frauenzimmers Daçak. in Benf. Chr. 179, 13.

काममैंप (von काम) adj. f. ई 1) dessen Wesen Trieb ist ÇAT. BR. 14, 7, 2, 7. BRB. ÅR. UP. 3, 9, 11. — 2) allen Wünschen entsprechend: कीर्णी काममपिर्वृद्धी: R. 4, 33, 6.

काममर्दन (काम + मर्दन) m. ein Bein. Çiva's (der Bewältiger des Liebesgottes) Çiv.

काममङ् (काम + मङ्) m. das Fest des Liebesyottes am Vollmondstage im Monat Kaitra Taik. 1,1,110.

काममालिन् (von काम + माला) m. ein Bein. Ganeça's Wills.

काममूत (काम + मूत) adj. von Liebe gedrungen: कार्ममूता बृद्धे श्रेतर्र-पामि RV. 10,10,11.

कामया (instr. von einem sonst nicht erhaltenen कामा) adv. in Verhindung mit ब्रूक् oder प्रबूक्ति sprich mir zu Liebe: कामया ब्रूक्ति मे देव कस्त्वं किंच चिकीर्षिसि Siv. 5, 10. MBH. 2,728. 3,12397.14051.16939. कस्त्वं प्रबृक्ति पृटकृत: । कामया 16085.

नामपित्र (nom. ag. von 2. नाम्) begierig, verlangend, geil AK. 3,1, 24. H. 434.

कामरस (काम + रस) m. Samenerguss: श्रनासाद्तिकामरस, श्रनवाप्त-कामरस MBn. 1,3812. fg.

कामर्सिक (wie eben) adj. der Liebe fröhnend: त्तर्ण वालो भूता त्तर्णा मिप प्वा कामर्सिक: Вилит, 3,51.

- 1. कामञ्चप (काम + ञ्चप) n. eine nach Belieben wechselnde Gestalt: कामञ्चपभ adj. f. श्रा MBs. 1,6077. R. 1,9,27. 28,18. ंधा व 3,36,19.
- 2. क्रामञ्ज (wie eben) 1) adj. f. ज्ञा nach Belieben eine Gestalt annehmend MBH. 1,1240. BHAG. 3,39.43. SUND. 3,17. MEGH. 6. 2) m. a) ein Gott H. ç. 2. b) m. sg. und pl. N. pr. eines Laudes, das westliche Assam TRIK. 2,1,8. H. 956. Z. f. d. K. d. M. II,27.29. LIA. 1,66. II,953. Verz. d. B. H. 93,8 v. u. RAGH. 4,83.84. KATHÁS. 19,113. LALIT. 416. VP. 176. कामञ्जलीर्थ प्रथा. कामञ्जलाजाविद्याल GILD. Bibl. 502.

कामहार्यम् (wie eben) 1) adj. nach Belieben eine Gestalt annehmend Çat. Br. 10, 6, 3, 2. Taitt. Up. 3, 10, 5. MBH. 3, 367. Hip. 2, 22. Sund. 1, 20.34. R. 1, 1, 47. 30, 8. 3, 23, 25. 6, 79, 76. Suga. 2, 393, 15. Davon nom.